भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
03.12.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 593 का उत्तर

रेल का मल्टी-मॉडल परिवहन

593. श्री सुब्बारायण के.:
श्री सेल्वाराज वी.:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या रेल ने पिछले पांच वर्षों के दौरान कंटेनर परिवहन के आधुनिकीकरण तथा लागत में कटौती के लिए भारी धनराशि का निवेश किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और विगत पांच वर्षों के दौरान ऐसे क्षेत्रों में कितनी धनराशि निवेश की गई है;

(ग) क्या यह सच है कि निवेश से रेल के मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट की लागत में कोई कमी नहीं आई है और यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है; और

(घ) ऐसे निवेशों का लेखा-परीक्षा करने और जवाबदेही तय करने के लिए सरकार द्वारा प्रस्तावित/उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): भारतीय कंटेनर निगम लिमिटेड (कॉनकॉर), भारतीय रेल के अधीन एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है, जो कंटेनर रेलगाड़ियों का स्वामित्व और संचालन करता है। पिछले 5 वर्षों के दौरान, कॉनकॉर ने मुख्य रूप से विशेषतः अत्यधिक टिकाऊ कंटेनरों की खरीद, उच्च क्षमता वाले कंटेनर रेक, आधुनिक कंटेनर संचालन उपकरण, कंटेनर टर्मिनलों का विकास/विस्तार, सूचना प्रौद्योगिकी अवसंरचना आदि पर लगभग 3278.00 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय में निवेश किया।

कंटेनर सेगमेंट में किए गए निवेश के परिणामस्वरूप प्रथम मील और अंतिम मील संचालन लागत और पारगमन समय में कमी आई है, और डबल स्टैक कंटेनर रेक की शुरूआत होने से कुल लॉजिस्टिक लागत की कमी में और योगदान दिया है।

कॉनकॉर के वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षा द्वारा नियुक्त वैधानिक लेखापरीक्षकों द्वारा निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार की जाती है।

*****